पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/2021-23 प्रकाशित 16.03.2023 इस अंक का मूल्य 2 रूपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-*110007*, चलभाष : 9810117464, 9868051444

अमर शहीद भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव के बलिदान दिवस पर

संगीत संध्या

वीरवार 23 मार्च 2023, सायं 4.30 से 7.30 तक
स्थान–आर्य समाज सरस्वती विहार, दिल्ली–34

हजारों की संख्या में पहुंचे

– अनिल आर्य, संयोजक

वर्ष-39 अंक-20 चैत्र-2080 दयानन्दाब्द 200 16 मार्च से 31 मार्च 2023 (द्वितीय अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
प्रकाशित: 16.03.2023, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

126 वें बलिदान दिवस पर पं.लेखराम को दी श्रद्धांजलि

शुद्धि आन्दोलन की भेंट चढ़ गए पंडित लेखराम –ठाकुर विक्रम सिंह

नई दिल्ली, सोमवार 6 मार्च 2023, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में अमर शहीद, रक्त साक्षी प. लेख राम आर्य मुसाफिर के 126 वें बलिदान दिवस पर आर्य समाज लाजपत नगर नई दिल्ली में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। उल्लेखनीय है कि एक धर्मान्ध मुसलमान द्वारा शुद्धि अभियान से रूष्ट होकर 6 मार्च 1897 को लाहौर में छुरा मारकर हत्या कर दी गई थी। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि सत्यनिष्ठ,धर्मवीर,आत्म बलिदानी पं लेखराम अडिग ईश्वर विश्वासी,महान मनीषी,स्पष्ट निर्भीक वक्ता,आदर्श धर्म प्रचारक,त्यागी तपस्वी गवेषक,अच्छे लेखक थे। धर्मान्तरण रोकने और धर्मान्तरित लोगों की घर वापसी व शुद्धि करण के लिए ही पण्डित लेखराम ने अपना जीवन आहूत कर दिया और उनकी हत्या कर दी गई।पं.लेखराम ने महर्षि देव दयानन्द जी का जीवन चरित्र लिखने के लिए पूरे देश में घूम घूम कर प्रमाण एकत्रित किए।आज जब देश में दलित हिन्दु वर्ग का धर्मान्तरण ईसाई मिशनरियों द्वारा पूरे जोरों से किया जा रहा है तो हमारी पं लेखराम को सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि आज देश में धर्मान्तरण को रोकने के लिए सबको पूर्ण प्रयास करना होगा। वैदिक विद्वान आचार्य विद्या प्रसाद मिश्र ने कहा कि हिन्दु धर्म

(शेष पृष्ठ 4 पर)

स्वामी इंद्रवेश विद्यापीठ ठिठोली रोहतक का वार्षिक यज्ञ सम्पन्न

रविवार 12 मार्च 2023, महर्षि दयानन्द द्वितीय जन्म शताब्दी के उपलक्ष्य में चतुर्वेद परायण यज्ञ का भव्य आयोजन स्वामी इंद्रवेश विद्यापीठ ठिठोली रोहतक में 1 मार्च से 12 मार्च 2023 तक आयोजित किया गया। मंच पर संबोधित करते केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य, स्वामी आर्य वेश जी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में स्वामी प्रणवानन्द जी, स्वामी यतीश्वरनन्द जी, योगेश आत्रे, स्वामी रामवेश, वीरेंद्र कुमार आदि सम्मिलित हुए। स्वामी आदित्य वेश जी ने मंच संचालन किया। दिल्ली से प्रवीण आर्य पिंकी, राम कुमार आर्य, धर्मपाल आर्य, अरुण आर्य व सूर्यदेव आर्य, विद्यासागर आर्य, श्री कृष्ण दहिया, योगेन्द्र शास्त्री, अशोक जागड़ आदि उपस्थित थे।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् द्वारा कोरोना काल में भी 517वां वेबिनार सम्पन्न

महिला दिवस व होली काव्य गोष्ठी सम्पन्न

महिला शक्ति परिवार व राष्ट्र का आधार है–अनिता रेलन

महर्षि दयानन्द ने नारी शक्ति को सम्मान प्रदान किया–राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

बुधवार 8 मार्च 2023, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में होली पर्व व अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया।यह कोरोना काल से 515 वाँ वेबिनार था। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि महर्षि दयानन्द सरस्वती ने महिला शक्ति को अत्यधिक सम्मान प्रदान किया उन्होंने कहा कि जिस घर में नारी का सत्कार होता है वह घर स्वर्ग के समान है। आर्य समाज ने नारी शिक्षा के लिए अनेकों गुरुकुल व विद्यालय खोले और जीवन जीने के समान अवसर प्रदान कर साथ ही होली पर्व की बधाई देते हुए सबके मंगल की कामना की। वैदिक विदुषी अनिता रेलन ने कहा कि नारी शक्ति परिवार व समाज का आधार है यदि नारी सुशिक्षित संस्कारवान होगी तो वैसे ही समाज का निर्माण करती है।उन्होंने नारी शक्ति को अवसर तलाशने और आगे बढ़ने का आह्वान किया। मुख्य अतिथि प्रो. करुणा चांदना ने कहा कि नारी अब अबला नहीं सबला है और हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना रही है। अध्यक्षता करते हुए माता उषा सूद ने व्यंगात्मक कविता सुनायी। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने सभी को शुभकामनाएं देते हुए आभार प्रकट किया। गायक नरेंद्र आर्य सुमन, पिंकी आर्य, रजनी चुग, रजनी गर्ग, जनक अरोड़ा, प्रतिभा कटारिया, कौशल्या अरोड़ा, अंजू खरबंदा, रिचा गुप्ता, कुसुम भंडारी, प्रवीना ठक्कर, सुदेश आर्य, रीता जयहिंद, सुदर्शन चौधरी, राज सरदाना, कमलेश चांदना आदि ने मधुर गीत सुनाए।

'राष्ट्र के प्रति हमारा कर्तव्य' पर गोष्ठी सम्पन्न

हम राष्ट्रीय कर्तव्यों का पालन करें–आचार्य श्रुति सेतिया

सोमवार 13 मार्च 2023, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में ''राष्ट्र के प्रति हमारा कर्तव्य'' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह करोना काल से 516 वाँ वेबिनार था। मुख्य वक्ता आचार्या श्रुति सेतिया ने कहा कि राष्ट्र एक ऐसा शब्द है जिसमें एक नागरिक का संपूर्ण अस्तित्व समाहित होता है। व्यक्ति सर्वप्रथम,सामाजिक व पारिवारिक प्राणी न होकर एक राष्ट्रीय नागरिक होता है।उसका पहला कर्त्तव्य अपने राष्ट्र धर्म का पालन सर्वप्रथम करना चाहिए। भारत भूमि विश्व की सर्वप्रथम, मानव इतिहास की जननी,यह भूमि मानवता को पूर्ण रूप से चरितार्थ करती है।एक शिक्षक के दृष्टिकोण से हमारा प्रथम कर्त्तव्य योग्य बालकों का निर्माण करना है,क्योंकि एक राष्ट्र का भविष्य उसके ही छात्र होते हैं।अतः हम छात्रों को प्रारंभ से ही उचित शिक्षा के साथ सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास करते हुए नागरिक कर्तव्यों का बोध कराते हैं तो किसी भी बाहरी ताक़त की हिम्मत हमारे राष्ट्र पर ग़लत निगाह डालने की नहीं होगी।एक नागरिक के नाते हमारा कर्त्तव्य देश की एकता की भावना को बरकरार रखना है,जिसके द्वारा हम प्रगति के साथ साथ मानव जाति को भी एक बराबर का दर्जा प्रदान कर सकें।हमारा कर्तव्य राष्ट्र को भाषिये स्तर पर एक रूप में प्रस्तुत करना होना चाहिये।भारत विविधता में एकता का राष्ट्र है। अतः हम सभी को सभी भाषा के लोगों को बराबर सम्मान करना चाहिए।यदि हम अपने अपने कर्तव्यों का पालन निष्ठापूर्ण राष्ट्रहित में करें तो स्वतः ही अधिकार मिल जाते हैं।किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी ताक़त उसके नागरिक होते हैं।अतः हम सभी को मिलकर राष्ट्रीय अभियानों मतदान का प्रयोग शासन द्वारा संविधान द्वारा बनाए गए सभी नियमों का पालन शिक्षा का प्रचार प्रसार,गरीबों की मदद,देश के वीर सैनिकों का सम्मान, महापुरुषों का सम्मान,राष्ट्रीय दिवसों को भी एक परिवारिक त्योहार के रूप में मनाना , असामाजिक तत्वों का सामाजिक बहिष्कार करना।सामाजिक व राष्ट्रीय एकता को बनाए रखना आदि अनेकों ऐसे कर्त्तव्य व उत्तरदायित्व हैं जिनको यदि हम निष्ठापूर्ण करते हैं तो निरूसंदेह हम भारतीय सभ्यता का उस स्वर्णिम काल को वापस प्राप्त कर सकते हैं जो कभी हमारा स्वर्णिम इतिहास बनकर सम्पूर्ण विश्व में अपना प्रकाश फैला रहा है। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि राष्ट्र ईट पत्थरों का नाम नहीं अपितु राष्ट्र के लिए समर्पित संस्कार वान लोगों का नाम है। मुख्य अतिथि शिक्षाविद सोनल मेहरा व शशि चोपड़ा (कानपुर) ने भी राष्ट्र समर्पण की बात कही। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि सुसंस्कारित युवा पीढ़ी ही राष्ट्र की धरोहर है, इसलिए युवाओं को ईश्वर भक्त, देश भक्त, मातृपितृ भक्त बनाने के लिए ग्रीष्म ऋतु में चरित्र निर्माण शिविरों के माध्यम से एवं आर्ष गुरुकुलों के माध्यम से सुसंस्कारित करना होगा। उन्होंने ऑनलाइन उपस्थित श्रोताओं का धन्यवाद ज्ञापित किया।

डॉ. राजीव चावला का अभिनंदन व मित्र संगम की गोष्ठी सम्पन्न

दिल्ली के रोहिणी से डॉ. राजीव चावला को चेन्नई में आयोजित समारोह में केन्द्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह द्वारा लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित सम्मानित किया गया समस्त आर्य जगत की और से हार्दिक बधाई, व द्वितीय चित्र मित्र संगम पत्रिका द्वारा होली पर आयोजित कवि गोष्ठी का दृश्य।

क्रांतिकारी चन्द्रशेखर आजाद के 92 वें बलिदान दिवस पर दी श्रद्धांजलि

चन्द्रशेखर आजाद क्रांतिकारियों के सिरमौर थे –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

सोमवार 27 फरवरी 2023,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में महान क्रांतिकारी चन्द्र शेखर आजाद के 92 वें बलिदान दिवस पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि आजाद क्रान्तिकारियों के सिरमौर थे,वह आजाद थे और आजाद ही बलिदान हो गये।चन्द्रशेखर आजाद सभी क्रांतिकारियों के लिए आदर्श थे सभी उनसे प्रेरणा लेते थे।आज उनकी पुण्य तिथि पर उन्हें याद करने का अर्थ है युवाओं में देश भक्ति की भावना भरना।आज युवाओ में देश के प्रति श्रद्धा भाव पैदा करना समय की आवश्यकता है। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि देश भक्त शहीदों का जीवन चरित्र पाठ्यक्रम में पढ़ाने की आवश्यकता है।नयी युवा पीढ़ी उनसे प्रेरणा पाकर राष्ट्र भक्त बन सकेगी।देश भक्ति की भावना बचपन से ही संस्कारों में डालने की आवश्यकता है।उन्होंने आगे कहा कि देश भक्तों की जीवनी को पाठ्यक्रम में स्थान दिया जाना चाहिए। गायिका पिंकी आर्या,प्रवीना ठक्कर, रविन्द्र गुप्ता, रजनी चुग, रजनी गर्ग, कुसुम भंडारी आदि के मधुर गीत हुए।

'मानव जीवन यज्ञीय जीवन' पर गोष्ठी सम्पन्न

मानव जीवन श्रेष्ठतम कर्म का परिणाम –आचार्य हरिओम शास्त्री

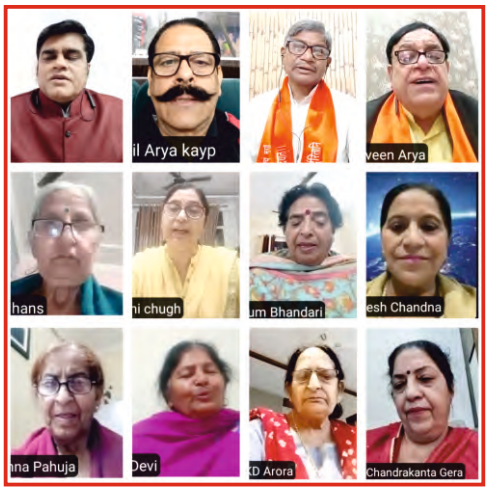

सोमवार 27 फरवरी 2023, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में ''मानव जीवन यज्ञीय जीवन'' पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया।यह करोना काल से 513 वाँ वेबिनार था। वैदिक विद्वान आचार्य हरिओम शास्त्री ने कहा कि हमारा यह मानव जीवन पिछले जीवन के सुकर्म का ही परिणाम है। उन्होंने कहा कि मानव जीवन ही मुक्ति का सोपान है। मानव जीवन मिलता ही मुक्ति की ओर बढ़ने के लिए है। मानव जीवन स्वयं ही एक यज्ञ है। शास्त्र कहते हैं– ''यज्ञो यज्ञेन कल्पताम्'' अर्थात् मानव जीवन को यज्ञ से ही सफल बनाएं क्योंकि ''यज्ञो वै श्रेष्ठतमं कर्म'' यह बात कहते हुए ऋषियों ने कहा है कि यदि संसार में श्रेष्ठतम कर्म करना है तो यज्ञ करो। मानव जीवन किसी न किसी श्रेष्ठतम कर्म का ही परिणाम होता है। वेद तो कहते हैं कि ''यज्ञेन यज्ञमयजन्त देवास्तानि धर्माणि प्रथमान्यासन् अर्थात् –देवताओं ने यज्ञ से ही सृष्टि यज्ञ को सम्पन्न किया। वह कर्म ही प्रथम कर्म था। अतः मुक्ति प्राप्त करने हेतु मिले मानव जीवन को यज्ञ मय बनाकर मुक्ति तक पहुंचें। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि परोपकार की भावना से किया कर्म यज्ञ ही है व्यक्ति को सदैव निष्काम कर्म करते रहना चाहिए। मुख्य अतिथि दरभंगा के जिला व सत्र न्यायाधीश सत्य भूषण आर्य ने कहा कि यज्ञ जीवन से सुगंध देने की प्रेरणा करता है हमारे जीवन से खुशबु आनी चाहिए। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि यज्ञीय भावना परोपकार की है,अतः हमें इससे ओतप्रोत होकर परोपकार के कार्य करते रहना चाहिए।अच्छे कर्मों से ही मोक्ष प्राप्त होगा जोकि मनुष्य का चरमोत्कर्ष लक्ष्य है। गायिका ईश्वर देवी, कमला हंस, कमलेश चांदना, नरेश चन्द्र आर्य, कुसुम भंडारी, सरला बजाज, कौशल्या अरोड़ा, जनक अरोड़ा, आशा शर्मा आदि के मधुर भजन हुए।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद हरियाणा के तत्वावधान में

प्रान्तीय आर्य महा सम्मेलन

रविवार 2 अप्रैल 2023, प्रातः 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक
स्थानः मोती लाल नेहरू पब्लिक स्कूल अर्बन एस्टेट जींद
अध्यक्षः श्री अनिल आर्य (राष्ट्रीय अध्यक्ष केआयुप)
सानिध्यः श्री स्वतंत्र कुकरेजा जी (प्रान्तीय अध्यक्ष)
हज़ारों की संख्या में पहुंचे
– श्री कृष्ण दहिया, संयोजक, 9812781154

श्रद्धांजलि

सुप्रसिद्ध पत्रकार, आर्य समाज के चिंतक, हिन्दी के पुरोधा डॉ. वेद प्रताप वैदिक का मंगलवार 14 मार्च 2023 को गुरुग्राम में 79 वर्ष की आयु में निधन हो गया। समस्त आर्य समाज की और से भावभीनी श्रद्धांजली–अनिल आर्य

'ईश्वर भक्ति की अनिवार्यता' पर गोष्ठी सम्पन्न

भौतिक व आध्यात्मिक शक्ति परमात्मा की उपासना से मिलती है –स्वामी सुभाष जी

शुक्रवार 3 मार्च 2023, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'ईश्वर भक्ति की अनिवार्यता' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया।यह करोना काल से 514 वाँ वेबनार था। वैदिक प्रवक्ता स्वामी सुभाष जी ने कहा कि मानव जीवन के दो किनारे हैं जिस प्रकार नदी के दो किनारे होते हैं एक का नाम है भौतिक पक्ष और दूसरे का नाम है आध्यात्मिक पक्ष और जिस प्रकार से जो नदी जहां से निकलती हैं यदि वह अपने दोनों किनारों को समानांतर रूप से लेकर के चलती चली जाती है तो वह अपने महान लक्ष्य समुद्र में जाकर के विलीन हो जाती है इसी प्रकार से जो व्यक्ति अपने जीवन के इन दोनों पक्षों को समानांतर रूप से लेकर के चलता चला जाता है,तो उसके जीवन का जो महान लक्ष्य परमात्मा है उसको वह सहज रूप से प्राप्त कर लेता है और इन दोनों किनारों में समन्वय और समानता बैठाने के लिए इन दोनों किनारों को समान रूप से लेकर के चलने के लिए यदि इस संसार के अंदर कोई सर्वोत्तम साधन हो सकता है तो उसका नाम है ईश्वर भक्ति की अनिवार्यता है,जो व्यक्ति अपने जीवन में दोनों पक्षों में उन्नति प्राप्त करना चाहता है भौतिक पक्ष को लेकर के भी वह सफल होना चाहता है और आध्यात्मिक पक्ष को ले करके भी वह अपने जीवन में समुन्नति को प्राप्त करना चाहता है मित्रों जो व्यक्ति ईश्वर भक्ति रूपी धागा बांध लेता है, इन दोनों किनारों के बीच में बांध लेता है तो यह दोनों पक्ष समान रूप से चलते हुए उस व्यक्ति के जीवन में सुख की प्राप्ति भी करा देता है और साथ में जो पारलौकिक सुख है हमारे जीवन के जो महान लक्ष्य है धर्म,अर्थ, काम,मोक्ष की प्राप्ति भी सहज रूप से हमें हो जाती है,इसलिए स्वामी जी ने इस बात को स्पष्ट करते हुए कहा कि जो व्यक्ति अपने जीवन में सर्वांगीण विकास करना चाहता है इस संसार के अंदर रहते हुए धन संपत्ति वैभव ऐश्वर्य मान सम्मान आदि को प्राप्त करना चाहता है तो उस व्यक्ति को भी उस परमपिता परमेश्वर की नित्य–प्रति भक्ति करनी चाहिए और और जो व्यक्ति अपने जीवन में आध्यात्मिक उन्नति करना चाहता है अपनी आत्मिक शक्ति से परिचित होना चाहता है,परमात्मा के स्वरूप को समझना चाहता है,तो उस व्यक्ति को भी ईश्वर की भक्ति को अपने जीवन का अनिवार्य अंग बनाना चाहिए और इसके लिए स्वामी जी ने प्रमाण के रूप में ईश्वर स्तुति प्रार्थना उपासना के दूसरे तीसरे चौथे और पांचवे वेद मंत्र को प्रस्तुत किया,जिसमें स्पष्ट रूप से महर्षि दयानंद ने इस बात को लिखा है। हम लोग उस सुखदायक परमात्मा के लिए ग्रहण करने योग्य योगाभ्यास और अति प्रेम से विशेष भक्ति किया करें और तीसरे वेद मंत्र का उदाहरण देते हुए यह बात स्पष्ट की गई की आत्मा और अंतः करण से भक्ति उस परमपिता परमेश्वर की विशेष रूप से हम भक्ति करें अर्थात निरंतर उस परमात्मा की आज्ञा का पालन करें इसी तरह से चौथेवेद मंत्र का आश्रय लेकर के उन्होंने बताया की,अपनी सारी उत्तम सामग्री उस परमात्मा के प्रति समर्पित करके उस परमपिता परमेश्वर की विशेष भक्ति करें और पांचवी वेद मंत्र में तो यह बिल्कुल स्पष्ट कर दिया गया कि हम अपना सर्वस्व समर्पित करके उस परमपिता परमेश्वर की विशेष भक्ति करें इस तरह से महर्षि दयानंद ने चार वेद मंत्र यहां प्रस्तुत किए इसमें परमात्मा की विशेष भक्ति करने का विधान किया है और साथ में उसके उपाय भी बताए कि व्यक्ति अपने जीवन में किस प्रकार से उस परमात्मा की भक्ति करें उसके लिए उन्होंने कहा कि योगाभ्यास और अति प्रेम पूर्वक हम परमात्मा की विशेष भक्ति करें, यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि यह जो योग के 16 अंग हैं, यम पांच प्रकार के और नियम भी पांच प्रकार के अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य, अपरिग्रह एवं नियम शौच, संतोष, तप, स्वाध्याय, ईश्वर प्रणिधानानी, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि योग के 16 अंगों को अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाते हुए और अति प्रेम पूर्वक हम उस परमपिता परमेश्वर की सदैव विशेष भक्ति किया करें. और इससे आगे ईश्वर स्तुति प्रार्थना उपासना के चौथे वेद मंत्र को आधार बनाकर के यह स्पष्ट किया गया कि हम अपनी सकल उत्तम सामग्री उस परमात्मा की आज्ञा में समर्पित करके उस परमात्मा की विशेष भक्ति किया करें और पांचवें वेद मंत्र में तो यह कह दिया गया कि हम लोग उस सुखदायक कामना करने योग्य परब्रह्म की प्राप्ति के लिए अपना सब सामर्थ्य लगाकर के उस परमात्मा की विशेष भक्ति करें। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि ईश्वर भक्ति से बड़े से बड़ा कष्ट छोटा हो जाता है। मुख्य अतिथि नित्य प्रिय आर्य व अध्यक्ष डॉ.गज राज सिंह आर्य ने भी ईश्वर भक्ति की महत्ता पर प्रकाश डाला। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

नैरोबी से विमल चड्ढा का स्वागत

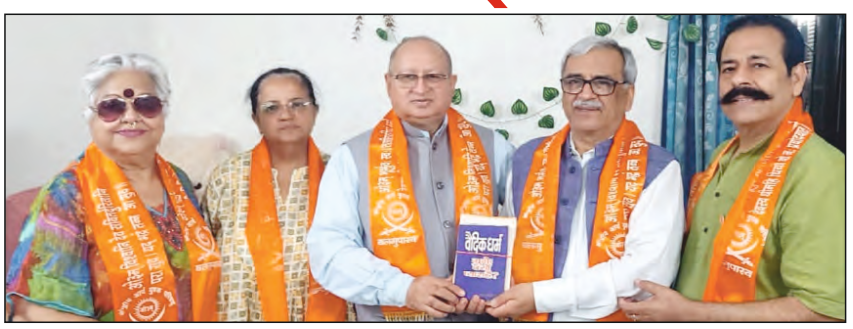

आर्य समाज नैरोबी से श्री विमल चड्ढा जी सपत्नीक दिल्ली पधारे उनका केन्द्रीय आर्य युवक परिषद की और से अनिल आर्य, ओम सपरा, पिंकी आर्य ने अभिनंदन किया। हार्दिक शुभकामनायें

गाजियाबाद चलो... गाजियाबाद चलो... गाजियाबाद चलो...

आर्य केन्द्रीय सभा गाजियाबाद के तत्वावधान में नव संवत्सर व आर्य समाज स्थापना दिवस वीरवार 22 मार्च 2023 को शाम 5 बजे से रात्री 8.00 बजे तक शंभूदयाल संन्यास आश्रम दयानन्द नगर, गाजियाबाद में आयोजित किया जा रहा है। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य मुख्य अतिथि होंगे। सभी आर्य जन भारी संख्या में पहुंचे – सत्यवीर चौधरी, प्रधान

(पृष्ठ 1 का शेष)

की रक्षा के लिए अनेको लोगों ने बलिदान दिये,उनमें पं.लेखराम का नाम गर्व से लिया जाता है।उन्होंने हिन्दुओं को मुसलमान बनाने के कार्य को रोका व किसी कारण धर्म परिवर्तन कर चुके हिन्दुओं के लिए यज्ञ द्वारा शुद्ध करके घर वापसी का मार्ग प्रशस्त किया।उनका पूरा जीवन वेद प्रचार व शुद्धि आंदोलन के लिए समर्पित रहा।आज उनके बलिदान से प्रेरणा लेकर हिन्दु समाज को संगठित करने की आवश्यकता है तभी आने वाली बाधाओं से मुकाबला कर सकते हैं। आर्य नेत्री विमलेश बंसल ने भी शुद्धि आंदोलन को राष्ट्र हित में प्रभावी बताया। उन्होंने ने कहा कि नई पीढ़ी को हिन्दू धर्म के योद्धाओं के इतिहास को बतलाने की आवश्यकता है और घर वापसी के अभियान चलाने की आवश्यकता है। मुख्य अतिथि ठाकुर विक्रम सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि पं. लेखराम ने महर्षि दयानन्द की वैदिक मान्यताओं,सिद्धान्तों व उद्देश्यों के प्रचार को ही अपने जीवन का उद्देश्य बनाया था और अपनी योग्यता व पुरुषार्थ से वैदिक धर्म की महत्वपूर्ण सेवा व रक्षा की,उन्होंने अपने आगे पीछे कपड़े पर आर्य समाज के नियम लिखकर टांग रखे थे।सम्पूर्ण आर्य जगत् व सभी वैदिक धर्मी उनकी सेवाओं एवं बलिदान के लिए सदा–सदा के लिए ऋणी व कृतज्ञ हैं।उनके बलिदान ने यह सिद्ध कर दिया कि वैदिक धर्म के विरोधियों के पास वेद और आर्यसमाज के सिद्धान्तों की काट व उनका उत्तर नहीं है।आज फिर से प.लेखराम जैसे वीरो की आवश्यकता है जो शास्त्रार्थ से वेद विरुद्ध बातों का युक्ति युक्त उत्तर दे सकें और विधर्मी हुए लोगों को शुद्ध करके वापिस हिन्दू धर्म में दीक्षा दे सकें। समारोह अध्यक्ष आर्य रवि देव गुप्ता ने कहा कि धर्मवीर पण्डित लेखराम ने अपनी नश्वर देह का त्याग करते हुए आर्यो को यह सन्देश दिया था, ''तकरीर व तहरीर से प्रचार का कार्य बन्द न हो।'' आज आर्यों को उनकी इस वसीयत को पूरा करना है,तभी भविष्य में वेदाज्ञा 'कृण्वन्तो विश्वमार्यम्' चरितार्थ हो सकता है। आर्य समाज के प्रधान राजेश मेंडिरता ने सभी का आभार व्यक्त किया।पिंकी आर्य, अजय कपूर, सुरेन्द्र तलवार आदि के मधुर भजन हुए। प्रमुख रूप से आचार्य मेघश्याम वेदांलंकार,रविन्द्र आर्य, विजय मलिक, देवेन्द्र भगत, शकुंतला नागिया, जितेंद्र डावर, रमेश गाडी आदि उपस्थित थे।

सम्पादक: **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिटर्स**, 2199/63, नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली–5 दूरभाष : 41548503 **मो.** : 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी–176–177, कबीर बस्ती, दिल्ली–7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970